(b) if so, the details thereof;

(c) what are the details regarding the criteria adopted by Government so far as the question of this loan disbursement to the States is concerned; and

(d) the details regarding the agreement with the Government of Britain in this regard?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) to (d). The Government of United Kingdom have agreed to give a grant of £14.75 million to the Government of India for the Housing and Urban Development Corporation for onlending equivalent funds to State housing boards and executing agencies to take up schemes of housing and sites and services for the economically weaker sections. The criteria adopted for disbursing these funds are the same as those adopted by the HUDCO for housing schemes for the economically weaker sections in urban and rural areas.

### राजस्थान में केन्द्रीय कृषि फार्म

8459. **श्री मूल चन्द डागा :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1981–82 के दौरान राजस्थान में प्रत्येक केन्द्रीय कृषि फार्मों पर प्रशासनिक व्यय सहित कुल कितना व्यय किया गया और उक्त अवधि के दौरान प्रत्येक फार्म से कितनी आय अर्जित की गई और प्रत्येक फार्म में पूंजीगत सामान की खरीद पर अब तक कितना व्यय किया गया है ?

**कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) :** भारतीय राज्य फार्म निगम का वित्तीय वर्ष 30 जून को समाप्त होता है । राजस्थान में भारतीय राज्य फार्म निगम के फार्मों द्वारा किया गया खर्च तथा अर्जित की गई आय के आंकड़े केवल 30 जून, 1982 के बाद ही उपलब्ध होंगे । तथापि, 31 दिसम्बर, 1981 तक के व्यय के आंकड़े नीचे दिये गये हैं जो पूर्णरूप से अस्थायी हैं:—

| फार्म | किया गया व्यय (लाख रुपये) |
|---|---|
| सूरतगढ़ (सरदारगढ़ सहित) | 195.06 |
| जेतसर | 70.08 |

इस व्यय में सिर्फ कृषि की प्रत्यक्ष लागत ही शामिल नहीं बल्कि इसमें सभी ऊपरी खर्चों, मूल्य ह्रास, बोनस, ब्याज, आय कर, मुख्यालय में खर्च के अंश समेत सभी प्रकार की अप्रत्यक्ष लागतें भी शामिल हैं ।

30 जून, 1981 तक सूरतगढ़ (सरदारगढ़ सहित) और जैतसर में पूंजीगत मालकी खरीद पर खर्च की गई धनराशि क्रमशः 233.52 लाख रुपये तथा 71.86 लाख रुपये है । इसमें उपहार स्वरूप प्राप्त उपस्करों और जब फार्मों का प्रबन्ध निगम को हस्तांतरित किया गया था, उस समय सूरतगढ़ तथा जैतसर फार्मों के अधिकार में लिये गये संयंत्र तथा मशीनों की लागत भी शामिल है ।

### हैदवी और सेमारी सिंचाई परियोजनाओं की स्वीकृति

8460. **श्री प्रताप भानु शर्मा :** क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में हैदवी और सेमारी के लिये